EEC-007

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2022

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

EEC-007 : INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions as per instructions given in each section.*

SECTION A

*Attempt any **two** questions from this section.* *2×20=40*

1. "Economic growth is symbolic of rapid industrialisation in modern times." Examine and elaborate this statement.

2. Changes in composition of Gross Domestic Product and occupational structure in India do not match with the growth experiences of other developed countries. Give arguments in support of your answer.

3. "Increase in aggregate expenditure is key to rapid industralisation." Do you agree ? Give reasons.

4. "For rapid transformation of the Indian industrial sector a set of economic reforms are required." Examine this statement.

SECTION B

*Attempt any **four** questions from this section.* *4×12=48*

5. Why was the jute industry in its early stages of growth concentrated in Bengal ?

6. Differentiate between 'import substitution' and 'export promotion' as strategies of industrial growth.

7. Examine the pros and cons of Foreign Direct Investment in India.

8. What do you mean by 'disinvestment' ? Why is it needed ?

9. Make suggestions for balanced regional growth in India. What role can industry play in this regard ?

10. Make suggestions to protect the environment from adverse effects of industrialisation.

SECTION C

11. Write short notes on any ***two*** of the following : *2×6=12*

(a) Household Industry

(b) Subsidies

(c) Drinking Water Mission

(d) Jobless Growth

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र
ई.ई.सी.-007 : भारत में औद्योगिक विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग में दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

भाग क

*इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *2×20=40*

1. "आधुनिक युग में आर्थिक संवृद्धि तीव्र औद्योगीकरण का प्रतीकात्मक स्वरूप रही है ।" इस कथन की समीक्षा एवं विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

2. भारत में सकल घरेलू उत्पाद और व्यावसायिक ढाँचे की संरचना में परिवर्तन अन्य विकसित देशों के संवृद्धि अनुभवों से मेल नहीं खाते । अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

3. "समग्र व्यय में वृद्धि ही तीव्र औद्योगीकरण की कुंजी है ।" क्या आप सहमत हैं ? कारण दीजिए ।

4. "भारतीय औद्योगिक क्षेत्रक के तीव्र परिवर्तन के लिए आर्थिक सुधारों के एक समूह की आवश्यकता है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

भाग ख

*इस भाग से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *4×12=48*

5. संवृद्धि के प्रारंभिक चरणों में पटसन उद्योग बंगाल में क्यों केंद्रित हो गया था ?

6. औद्योगिक संवृद्धि की युक्तियों के रूप में 'आयात प्रतिस्थापन' और 'निर्यात संवर्धन' में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

7. भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के गुण व दोषों की समीक्षा कीजिए ।

8. 'विनिवेशन' से आप क्या समझते हैं ? यह क्यों आवश्यक है ?

9. भारत में संतुलित क्षेत्रीय संवृद्धि के लिए सुझाव दीजिए । इस संबंध में उद्योग क्या भूमिका निभा सकते हैं ?

10. पर्यावरण की औद्योगीकरण के दुष्प्रभावों से रक्षा के लिए सुझाव दीजिए ।

भाग ग

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *2×6=12*

(क) गृह उद्योग

(ख) साहाय्य

(ग) पेय जल मिशन

(घ) रोज़गार रहित संवृद्धि